'Surround yourself with great people & learn from them'

TIMES NEWS NETWORK

Indore: Learning does not stop outside classrooms; instead real education is what you learn outside it, students of Indian Institute of Management Indore were told on Tuesday.

The students were being addressed by Amit Chandra,

IIM INDORE'S 21ST FOUNDATION DAY

MD, Bain capital, during the 21st foundation day celebration of the institute.

"What I learnt outside the classroom was real education. Surround yourself with great people in every organization, try to feel secure in their success and learn from them — this would help you achieve success," Chandra said.

He was of the view that philanthropy and socially responsible behaviour needs to be rewarded and not just applauded. We need to pay attention to the philanthropy and the way it can change the society, he said

Prof Amit Chandra addresses students in presence of director Prof Rishikesha T Krishnan. Dr Mamta Joshi performs at the event on Tuesday

On the occasion, IIM-I Director and Prof Rishikesha T Krishnan said that the institute aims to be amongst the top five in the country by 2025. Presently the institute's position keeps fluctuating between 6 and 10.

"With the experience and faculty member the institute has, we are aiming to be in the top five institutes of the country. Also, the institute has a large alumni base of more than 5000 graduates with diversified portfolio, working in various fields successfully," he said.

Prof Krishnan said that the institute's mission is to be contextually relevant and provide world class academic infrastructure with enhancement in the course curriculum, raising the level of research by faculty members. Certificate for academic excellence were given to top 5 percentile of the combined batch of the PGP (Batch 2016-18) and IPM (Batch 2013-18) participants based on their academic performance in the year 2016-17. Also, five faculty members were given best teacher award 2017. In evening several cultural programs were organized.

WINNERS ALL

Best Teacher Award 2017
- Prof Manish Popli
- Prof Siddhartha K Rastogi
- Prof Sayantan Banerjee

Exceptional Staff
- Arun Kumar Singh
- Manas Parihar
- Pradeep Kumar Kerketta
- Pradeep T K
- Shilpa Moghe

10 years of service
- Prof Ganesh K Nidugala
- Prof Kamal K Jain
- Prof Keyur Thaker
- Ajay Kumar Dash

Times of India, October 4, 2017, Page - 02

21st foundation day of IIM Indore

Success is combo of who we are & how we work: Amit Chandra

• **OUR STAFF REPORTER**
INDORE

Bain Capital managing director Amit Chandra here on Tuesday said that the mantra for success is a combo of "who we are and how we work".

"Living in a middle class family helps you grasp the fact that success is always a combination of who we are and how we work, and we shouldn't take this for granted at all," he said while addressing a function organised by IIM Indore to celebrate its 21st foundation day.

Amit Chandra delivered the foundation day lecture. During his talk, he noted that interacting with youngsters has always been fun, as they are always updated and motivates a person to keep learning.

He shared how his childhood, relocations and college education influenced his life style and moulded his personality in many ways. "Working with various organisations, the one thing I learnt was that what I learnt outside the classroom—was real education. Surround yourself with great people in every organization, try to feel secure in their successes and learn from them—this would help you achieve success," Chandra said.

"Philanthropy and socially responsible behaviour needs to be rewarded and not just applauded. We need to pay attention to the philanthropy and the way it can change the society.

BEST TEACHER AWARD GOES TO
- **PROFESSOR MANISH POPLI**
- **PROFESSOR SIDDHARTHA K RASTOGI**
- **PROFESSOR SAYANTAN BANERJEE**

You can't achieve anything without perfection. You need to look inwards, into the softer aspects of managing yourself, building real relation with society and learning how to communicate," he said.

Earlier, IIM Indore director Prof Rishikesha T Krishnan in his welcome address shed light on the various initiatives taken by the Institute and disclose the future plans. "The Institute has a large alum base of more than 5000 graduates with diversified portfolio, working in various fields successfully," he said.

He also noted that the Institute's mission is to be contextually relevant and provide world class academic infrastructure along with enhancement in the course curriculum, raising the level of research by faculty members and improving the international collaboration via student exchange as well in the coming years.

A short movie of IIM Indore was also showcased. The 15 minute movie depicted the campus life of the Institute from the point of view of its esteemed alumni and how it enhanced their career and personality. This was followed by a short presentation by the iHelp Club of IIM Indore, a social initiative run by IPM participants for the welfare of underprivileged children.

The event also witnessed an award presentation ceremony, i.e. Certificate for Academic Excellence to top 5 percentile of the combined batch of the PGP (Batch 2016-18) and IPM (Batch 2013-18) participants based on their academic performance in the year 2016-17.

Free Press, October 4, 2017, Page - 03

मध्यवर्गीय परिवारों से मिलती है जीने की समझ

आईआईएम इंदौर में 21वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

अमित चंद्रा

यंग रिपोर्टर ● इंदौर
मो.नं. 9685625277

समाज को तीन वर्गों में विभाजित किया गया, जो गरीब, मध्यवर्गीय और अमीर श्रेणी में विभाजित है। सभी में रहने के अलग-अलग अनुभव होते हैं, लेकिन मध्यवर्गीय समाज में रहने वाले परिवारों की जीवनशैली तथ्यपरक होती है। इन परिवारों में रहने से व्यक्ति में तथ्य को समझने में मदद मिलती है, क्योंकि सफलता भी एक संयोजन ही है। ऐसा कहना है कि ब्रेन केपिटल मुंबई के एमडी अमित चंद्रा का। वे मंगलवार को आईआईएम में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए।

भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर के 21वें स्थापना दिवस के अवसर पर व्याख्यान 'फीलें ऑपी बिगिंस विद यू' विषय पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ बातचीत करना हमेशा मजेदार और उत्साहित करने वाला होता है, क्योंकि बातचीत से वे हमेशा अपडेट किए जाते हैं और सीखने के लिए एक व्यक्ति की प्रेरणा उन्हें मिलती है। इस अवसर पर प्रो. टी ऋषि कृष्णन ने कहा कि संस्थान के सदस्यों द्वारा अनुसंधान के स्तर को बढ़ाते हुए और आने वाले वर्षों में छात्र विनिमय के माध्यम से और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में सुधार करना आसान होगा। समारोह में आईआईएम इंदौर के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2017 भी प्रदान किए गए। इसमें प्रो. मनीष पोपली, प्रो. सिद्धार्थ के. रस्तोगी, प्रो. सावंतन बैनर्जी और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदीपकुमार केकेंटा, प्रदीप टीके और शिल्पा मोघे को सम्मानित किया गया। समारोह में संगीतमय प्रस्तुतियां डॉ. ममता जोशी और उनकी टीम द्वारा सूफी, पंजाबी और लोकगीतों पर आधारित एक मधुर और लयबद्ध प्रस्तुति दी गई।

सूफी गायन।

Peoples Samachar, October 4, 2017, Page - 07

अब परोपकार की सराहना नहीं, पुरस्कृत करना होगा

आईआईएम के स्थापना दिवस समारोह में बोले चंद्रा

इंदौर ● आईआईएम इंदौर में मंगलवार को 21वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में 'बैन - कैपिटल' मुंबई के एमडी अमित चंद्रा मुख्य अतिथि थे। चंद्रा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि परोपकार ओर सामाजिक सरोकार के जरिए सामाजिक बदलाव लाया जा सकता है। अब वक्त आ गया है कि परोपकार की केवल सराहना न की जाए बल्कि उसे पुरस्कृत किया जाए। स्टूडेंट्स सामाजिक संबंध मजबूत करें और समाज के साथ बेहतर ढंग से कम्यूनिकेट करें। परिस्थिति आपको ये बेहतर तरीके से समझाती है कि सफलता उपहार में नहीं मिलती। युवाओं से इंटरेक्ट करना हमेशा से आनंददायक रहा है क्योंकि युवा ज्यादा अपडेट होते है।

प्रारंभ में समारोह का उद्‌घाटन अमित चंद्रा और आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रोफेसर ऋषिकेश टी कृष्णन ने दीप-प्रज्ज्वलन से किया। इसके बाद आईआईएम इंदौर की एक आधिकारिक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। 15 मिनट की फिल्म का फिल्मांकन पिछले 6 माह में परिसर में ही किया गया था। इसमें पूर्व छात्रों के दृष्टिकोण से संस्थान के परिसर के जीवन को प्रस्तुत किया गया कि उन्होंने कैसे अपने व्यक्तित्व को बढ़ाया। प्रो. कृष्णन ने संस्थान द्वारा उठाई गई विभिन्न पहल और योजनाओं के बारे में बताया। डॉ. ममता जोशी और उनकी टीम ने सूफी, पंजाबी और लोक गीतों पर आधारित लयबद्ध प्रस्तुति दी।

Patrika, October 4, 2017, Page - 13

2025 तक देश के टॉप 5 इंस्टिट्यूट्स में से एक होगा आईआईएम इंदौर

इंटरनेशनल फैकल्टी आएगी, भविष्य में इंडस्ट्री की डिमांड के मुताबिक डिजाइन किए जाएंगे कोर्स

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

यूं तो देश के 19 आईआईएम में आईआईएम इंदौर की रैंकिंग 6 से 10 के बीच है और और देश के टॉप मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट्स में यह संस्थान शामिल है, लेकिन आने वाले कुछ वर्षों में यह भारत के टॉप 5 इंस्टिट्यूट्स के बीच अपनी जगह बनाएगा। इसके लिए संस्थान में इंटरनेशनल फैकल्टीज को अपॉइंट किया जाएगा। इन्फ्रास्ट्रक्चर और एकेडमिक करिकुलम में बड़े बदलाव किए जाएंगे। डायरेक्ट प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने बताया 2025 तक आईआईएम इंदौर को टॉप 5 मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट्स में शामिल करने के लिए 10 सूत्रीय कार्यक्रम भी तैयार किया गया है।

21वें स्थापना दिवस पर मंगलवार को डायरेक्टर टी. कृष्णन ने कहा इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कोर्स में काफी बदलाव

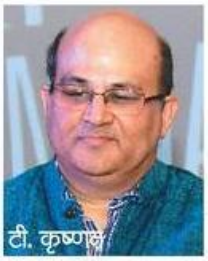
टी. कृष्णन

अमित चंद्रा

करना होंगे। खासतौर पर आईआईएम इंदौर के मुंबई कैम्पस के कोर्स में। नए कोर्स के साथ मुंबई और इंडस्ट्री की जरूरतों के मुताबिक कोर्स डिजाइन करना होंगे। रिसर्च वर्क को लगातार बेहतर किए जाने की भी जरूरत है। इंटरनेशनल फैकल्टीज को रिक्रूट जाएगा। ऐसे प्रोफेसर्स को भी नियुक्त किया जाएगा जो मैनेजमेंट रिसर्च में माहिर हों ताकि रिसर्च एरिया में प्रगति की जा सके। इसके अलावा फॉरेन इंस्टिट्यूट्स के साथ भी कोलेबरेशन बढ़ाए जाएंगे। संस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर में भी बदलाव किए जाएंगे।

पिछड़े गांवों को एडॉप्ट करें बड़े शैक्षणिक संस्थान

बैन केपिटल के एमडी और कार्यक्रम के चीफ गेस्ट अमित चंद्रा ने 'लोकोपकार स्वयं से शुरू होता है' विषय पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि किसी संस्थान को आर्थिक सहायता दे देना लोकोपकार नहीं है। हमारा देश बहुत बड़ा है और मेट्रोज से लेकर गांवों तक आम आदमी को कई मूलभूत सुविधाएं ही नहीं मिल रही हैं। सरकार अकेली इन्हें दूर नहीं कर सकती। ये हमारी भी जिम्मेदारी है। समस्याओं दूर करना भी मैनेजमेंट है। इसलिए आईआईएम जैसे संस्थानों को प्रशासन के साथ मिलकर किसी राज्य के ऐसे जिले को गोद लें जो स्वास्थ्य या शिक्षा सेवाओं में एकदम पिछड़ा हुआ हो। इस तरह स्टूडेंट्स इससे डिजास्टर मैनेजमेंट सीखेंगे और देश को सोशल आंत्रप्रेन्योर्स मिलेंगे।

Dainik Bhaskar, October 4, 2017, Page - 17